इस हुंकृति पर,
अपनी कृति से और कहो क्या कर दूँ?
कोकिल बोलो तो!
मोहन के व्रत पर,
प्राणों का आसव किसमें भर दूँ!
कोकिल बोलो तो!

प्रश्न-अभ्यास

1. कोयल की कूक सुनकर कवि की क्या प्रतिक्रिया थी?
2. कवि ने कोकिल के बोलने के किन कारणों की संभावना बताई?
3. किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों?
4. कविता के आधार पर पराधीन भारत की जेलों में दी जाने वाली यंत्रणाओं का वर्णन कीजिए।
5. भाव स्पष्ट कीजिए–
   (क) मृदुल वैभव की रखवाली-सी, कोकिल बोलो तो!
   (ख) हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ, खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कूँआ।
6. अद्धरात्रि में कोयल की चीख से कवि को क्या अंदेशा है?
7. कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों हो रही है?
8. कवि के स्मृति-पटल पर कोयल के गीतों की कौन सी मधुर स्मृतियाँ अंकित हैं, जिन्हें वह अब नष्ट करने पर तुली है?
9. हथकड़ियों को गहना क्यों कहा गया है?
10. 'काली तू .... ऐ आली!'–इन पंक्तियों में 'काली' शब्द की आवृत्ति से उत्पन्न चमत्कार का विवेचन कीजिए।

11. काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए–
(क) किस दावानल की ज्वालाएँ हैं दीखीं?
(ख) तेरे गीत कहावें वाह, रोना भी है मुझे गुनाह।
देख विषमता तेरी-मेरी, बजा रही तिस पर रणभेरी।

रचना और अभिव्यक्ति

12. कवि जेल के आसपास अन्य पक्षियों का चहकना भी सुनता होगा लेकिन उसने कोकिला की ही बात क्यों की है?

13. आपके विचार से स्वतंत्रता सेनानियों और अपराधियों के साथ एक-सा व्यवहार क्यों किया जाता होगा?

पाठेतर सक्रियता

- पराधीन भारत की कौन-कौन सी जेलें मशहूर थीं, उनमें स्वतंत्रता सेनानियों को किस-किस तरह की यातनाएँ दी जाती थीं? इस बारे में जानकारी प्राप्त कर जेलों की सूची एवं स्वतंत्रता सेनानियों के नामों को राष्ट्रीय पर्व पर भित्ति पत्रिका के रूप में प्रदर्शित करें।
- स्वतंत्र भारत की जेलों में अपराधियों को सुधारकर हृदय परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जाता है। पता लगाइए कि इस दिशा में कौन-कौन से कार्यक्रम चल रहे हैं?

शब्द-संपदा

बटमार	–	रास्ते में यात्रियों को लूट लेने वाला
हिमकर	–	चंद्रमा
दावानल	–	जंगल की आग
मोट	–	पुर, चरसा (चमड़े का डोल जिससे कुँए आदि से पानी निकाला जाता है।)
जूआ (जुआ)	–	बैलों के कंधे पर रखी जाने वाली लकड़ी
हुंकृति	–	हुँकार
व्याली	–	सर्पिणी
मोहन	–	मोहनदास करमचंद गांधी अर्थात् महात्मा गांधी